कोरोनावायरस: सोशल मीडिया अफवाह और नियंत्रण

- डॉ. पवन सिंह

चीन के तेजी से फैल रहे कोरोनावायरस के साथ–साथ, सोशल मीडिया में इससे संबंधित गलत सूचनाएं भी फैलाई जा रही है। चीन के केंद्रीय शहर वुहान के आसपास के सिमित क्षेत्र में जहां से प्रकोप शुरू हुआ, वहीँ से इससे संबंधित गलत जानकारी सोशल मीडिया के कारण व्यापक रुप से फैल चुकी है।

चीन में कोरोनावायरस की वजह से मरने वालों का आंकड़ा 811 तक पहुँच गया है और 37 हजार से ज्यादा लोगों में संक्रमण पाया गया है। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। विश्व भर में कोरोनावायरस एक विशेष संक्रमण का रुप ले चुका है।

आज जैसे सोशल मीडिया के युग में सूचनाएं बहुत तेजी से प्रचारित एवं प्रसारित की जाती है। ऐसे ही अफवाहें भी तेजी के साथ फैल जाती है। स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों के साथ भी ऐसा ही होता है। विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर कोरोनावायरस से संबंधित गलत सूचनाएं फैलाई जा रही है। वैसे भी अफवाहों के परिणाम हानिकारक ही होते है।

फेसबुक ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा है कि वह वायरस के बारे में " प्रमुख वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा चिन्हित किए गए झूठे दावों या षड्यंत्र के तहत डाली गयी सामग्री को हटा देगा,"। अन्य मामलों में फेसबुक चेतावनी देने का प्रावधान करता है (स्वास्थ्य संबंधित गलत सूचना फ़ैलाने पर)। अब तक फेसबुक स्वास्थ्य संबंधित गलत सूचनाओं को खोज परिणाम और प्रचार में नहीं दिखाता था, परंतु वास्तविक पोस्ट दिखाई देती थी। किन्तु कोरोनावायरस से संबंधित गलत जानकारी फ़ैलाने वाली पोस्ट को अब फेसबुक हटा देगा।

जकार्ता पोस्ट के अनुसार कोरोनावायरस के बारे में अफवाहें चीनी सोशल नेटवर्क पर भी व्यापक रूप से फैली हुई हैं। लेकिन हाल के दिनों में सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए इससे संबंधित संवेदनशील सामग्री को हटाने की अनुमति दी है।

चीनी प्रवक्ता ने रॉयटर्स पत्रकार केटी पॉल को बताया की चीन की टिकटॉक और पिंटरेस्ट इंक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म स्वास्थ्य संबंधित गलत सूचनाओं पर प्रतिबंध लगाते हैं और सक्रिय रुप से कोरोनावायरस की गलत सूचनाओं को हटा रहे हैं।

चीन में सूचनाओं को कसकर नियंत्रित किया जाता है, और चीनी कानून यह आदेश देते हैं कि अफवाह फैलाने वालों को जेल की सजा भुगतनी पड़ सकती है। प्रकोप के शुरुआती दिनों में चीनी राज्य मीडिया ने बताया कि वुहान में पुलिस ने "अज्ञात निमोनिया के स्थानीय प्रकोप" के बारे में अफवाहें फैलाने के लिए आठ लोगों को हिरासत में लिया था। कोरोनावायरस (2019-nCoV) ने चीन के अधिकतर शहरों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इसके अलावा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक चीन के अलावा, जापान, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, वियतनाम, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, थाईलैंड, नेपाल, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस आदि देशों में भी इसके मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इसी के साथ, भारत में भी कई लोगों को लक्षणों के आधार पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। चीन का पड़ोसी होने की वजह से भारत में भी कोरोनावायरस का डर बहुत ज्यादा फैल रहा है। जिसके कारण, भारत में कोरोना वायरस की अफवाह भी फैल रही हैं। जिसमें इस खतरनाक नए वायरस से जुड़ी कई बातों को वॉट्सऐप, फेसबुक आदि अन्य सोशल मीडिया पर दूसरे लोगों को फॉरवर्ड किया जा रहा है।

भारत में कोरोनावायरस की अफवाह :-

भारत में कोरोना वायरस को लेकर कई अफवाह सोशल मीडिया पर फैल रही हैं, जिससे डर का माहौल बढ़ रहा है। आप ऐसी किसी भी अफवाह पर ध्यान न देकर सिर्फ विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारियों पर ही विश्वास करें। कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर इंटरनेट पर फर्जी दावों की बाढ़-सी आ गई है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले नकली अलर्ट और पोस्ट, जो अक्सर डब्ल्यूएचओ या एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से होने का दावा करते हैं, में यह फर्जी सुझाव शामिल हैं कि लहसुन, तिल का तेल और विटामिन सी कोरोनावायरस के इस विशेष स्ट्रैंड को मार सकते हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि अभी तक इस घातक वायरस का कोई इलाज नहीं है।

हेलो स्वास्थ्य बुलेटिन की रिपोर्ट अनुसार सोशल मीडिया पर आज बहुत सी अफवाहें व भ्रामक जानकारियां हैं, जो कोरोनावायरस के बारे में दुष्प्रचार कर रही है। जैसे- वॉट्सएप- फेसबुक आदि में फैल रही एक अफवाह में बताया जा रहा है कि आपको 90 दिनों तक कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम, कुल्फी, मिल्कशेक, खुरदरी बर्फ, दूध की मिठाइयों का सेवन नहीं करना है। गले को सूखा न होने दें और लगातार पानी पीते रहें,ये संदेश भी सोशल मीडिया पर खूब चल रहा है। एक अफवाह में कोरोनावायरस को इसी तरह के नाम से जुड़ी एक बियर ब्रांड का सेवन करने से भी जोड़ा गया है। जो पूर्णत: गलत है। गुनगुने पानी में नमक मिलाकर गरारा करना, आंखों में हर्बल आईड्रॉप डालना, खाने में हींग का इस्तेमाल बढ़ाना, तिल के तेल से दांत साफ करना, पानी में लहसुन उबालकर पीना, मास्क को गर्म पानी में धोने या भाप लगाने के बाद दोबारा पहनना। ऐसी अनेक प्रकार की गलत जानकारियों से सोशल मीडिया भरा पड़ा है । इसलिए ऐसी अफवाहों से स्वयं भी बचना चाहिए व दूसरों को भी इसके बारे में जागरुक करना चाहिए।

गलत जानकारी व भ्रामक लेख इलाज में बाधक बन सकते हैं। अनुचित उपाय आजमाने पर संदिग्ध की हालत और बिगड़ने का जोखिम रहता है। सोशल मीडिया कंपनियां कोरोना से जुड़ी अफवाहों और भ्रामक जानकारियों के प्रचार-प्रसार को रोकने के लिए कई उपाय कर रही हैं।

हिंदुस्तान डॉट कॉम ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि ट्विटर ने जहां 'ऑटो सजेस्ट सर्च रिजल्ट' फीचर पर रोक लगा दी है, वहीं फेसबुक ने ऐसे पोस्ट को हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी भ्रामक जानकारियों पर रोक लगाने की पहल की है। इसके तहत कोरोना से जुड़ी कोई भी जानकारी खंगाले जाने पर गूगल अपने सर्च रिजल्ट में डब्ल्यूएचओ की ओर से प्रमाणित सामग्री सबसे पहले दिखाएगा। इसलिए सोशल मीडिया में इससे संबंधित गलत जानकारियों व अफवाहों से बचना भी रोकथाम का एक कारगर तरीका हो सकता है।

(प्रस्तुति: मनुज फीचर सर्विस)

नोट: मनुज फीचर सर्विस में छपे लेखों के विचार लेखक के अपने हैं। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यहां प्रकाशित सामग्री का उपयोग गैर व्यावसायिक कार्यों के लिए करने हेतु किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। मनुज फीचर सर्विस का उल्लेख अवश्य करें।